

# Chapter-1

## Introductin

प्राचीन पांचाल प्रदेश की पावन धरा-धाम पर बसे कासगंज जनपद का सृजन 17 अप्रैल 2008 को 'एटा' जनपद से पृथक कर 'काशीरामनगर' जनपद के नाम से हुआ। तत्पश्चात् दिनांक 30 जुलाई, 2012 को काशीराम नगर के स्थान पर 'कासगंज' जनपद के रूप में अधिसूचित किया गया।

कासगंज जनपद 1955.28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में बसा है। इसकी कुल आबादी 14,38,156 है। इस जनपद में कुल तीन तहसील (कासगंज, सहावर, पटियाली), 7 विकास खण्ड, 3 नगर पालिका, 7 नगर पंचायत, 77 न्याय पंचायत तथा 389 ग्राम पंचायतें हैं।

'कांस' के विशाल जंगलों से घिरी कासगंज नगर की भूमि अपने इसी वैशिष्ट्य के कारण 'कासगंज' नाम से पहचानी गई। कहते हैं कि कासगंज की स्थापना याकूत खान उर्फ खान बहादुर खान के द्वारा की गई, उसके पश्चात् कासगंज खुदा वख्स और दिलसुख राय के अधीन हुआ। राजा दिल सुखराय के पुत्र शंकर सिंह ने यहाँ एक किले का निर्माण कराया। स्वतन्त्रता आन्दोलन में भी कासगंज जनपद का सक्रिय योगदान रहा।

कासगंज नगर आज भी उद्योग, व्यापार आदि के लिए प्रसिद्ध है। देशी घी, सोनपपड़ी और अन्य मिठाईयों, सोना-चौदी आदि जेवरात, आयुर्वेद की दवाईयों सहित हर प्रकार के उपयोग की वस्तुओं का केन्द्र बिन्दु है। मेहता पुस्तकालय, लक्ष्मीगंज दरवाजा, चामुण्डा देवी मंदिर, प्रभूपार्क आदि धरोहरों से कासगंज की पहचान जुड़ी हुई है। कासगंज का मुरलीधर घंटाघर 1945 से कासगंज के साथ जुड़कर सम्मान पा रहा है। कासगंज के समीप नदरई गाँव में स्थित भीमसेन का 84 मन का घंटा आज भी लोगों के लिए जिज्ञासा और कौतूहल को दर्शाता है। जनपद में स्थित नदरई झाल का पुल 1889 से अद्भुत तकनीकी का नमूना बनकर पर्यटकों व दर्शकों का मन मोह रहा है। कासगंज की ऐतिहासिक जामा मस्जिद 281 वर्ष से सामाजिक, धार्मिक व शैक्षिक सरोकारों से जुड़कर आस्था का केन्द्र बिन्दु बनी हुई है। कासगंज का सी0एन0आई सदर चर्च 100 वर्ष से अधिक समय से विभिन्न सामाजिक व चिकित्सीय सेवा में लगा हुआ है।

उत्तर भारत का प्राचीन, पवित्र पौराणिक तीर्थस्थल सोरों इस जनपद का गौरव है। भगवती भागीरथी के तट पर स्थित सोरों शूकर क्षेत्र भगवान विष्णु के तृतीयावतार पृथ्वी उदारक भगवान श्री वराह की निर्वाण स्थली, महर्षि कपिल की तपस्थली, बराह गंगा, वृद्गंगा और भागीरथी गंगा की तटस्थली, मानसवर गोस्वामी तुलसीदास, साध्वी रत्नावली, अष्टछाप के प्रमुख कवि नन्ददास आदि की जन्मस्थली सहित अनेक महिमाओं से मंडित है। श्री वराह गंगा के भव्य दिव्य दर्शन के साथ-साथ श्री वराह मंदिर दर्षनीय है। ऐतिहासिक दृष्टि से कासगंज राजा सोमदत्त सोलंकी की राजधानी रही। सोरों-सीताराम मंदिर जैसे अनेक ऐतिहासिक अंचलों को अपने अन्दर समेटे हुए है। सम्राट अकबर के काल में सोरों, जनपद का स्थान रखकर इस क्षेत्र का सबसे बड़ा नगर था। अकबर यहीं से अपने पीने का गंगाजल मंगाते थे। सन् 1868 में इस नगर में नगर पालिका की स्थापना हुई और 1885 में रेलवे स्टेशन की स्थापना हुई। आज भी देश के विभिन्न प्रांतों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात आदि से लगभग 45 लाख तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक पर्वों पर

अपने धार्मिक कृत्यों की पूर्ति करने सोरों आते हैं। यहाँ मेला मार्गशीर्ष के नाम से बड़े मेले का आयोजन श्री वराह निर्वाण स्मृति में होता है। यहाँ भारत के अति प्राचीन तीन वट वृक्षों में से एक वट वृक्ष (गृहवट) है। यहाँ देश के बड़े संत, विचारक, राज्य, राजनेता आदि पधारे हैं। अस्थि विसर्जन, पिण्डदान, तर्पण, मुण्डन, गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्ति हेतु देश भर से लोगों का यहाँ आगमन होता है। स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों की शरण स्थली भी सोरों रहा है।

पटियाली इस जनपद का प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर है। महाभारत काल में यह पांचाल प्रदेश का हिस्सा रहा और राजा द्रुपद ने अपने गुरु द्रोणाचार्य को कम्पिल से पटियाली तक का भू-भाग दिया। यह स्थान द्रोणाचार्य का निवास, अश्वत्थामा की युद्ध-शिक्षा भूमि, भारत के प्रसिद्ध कवि साहित्यकार अमीर खुसरों की जन्म-भूमि के होने की अनुभूति से गौरवान्वित है। साहित्याकाश के दैदीव्यमान नक्षत्र अमीर खुसरों की स्मृति में स्थापित पार्क और पुस्तकालय यहाँ स्थापित है। यहाँ महाभारत कालीन प्रसिद्ध जागेश्वर मन्दिर भी है। पटियाली ने अनेक ऐतिहासिक युद्ध देखे हैं। क्रान्तिकारियों ने यहाँ रहकर देश को स्वतन्त्रता के लिये अहम् भूमिकायें निभायी हैं। यह जनपद की तहसील भी है।

बिलराम की स्थापना राजपूत बलराम सिंह ने लगभग 700 वर्ष पूर्व की। उन्हीं के नाम पर इस कस्बे का नाम बिलराम पड़ा। युद्ध और आक्रमण से क्षति-विक्षित इस कस्बे का पुर्ननिर्माण सूफी संत मुहम्मद मखदूम चिस्ती ने किया। आज भी यहाँ मु० मखदूम सलाउद्दीन चिस्ती का मकबरा है। बिलराम उर्दू शायरों, साहित्यकारों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

सहावर इस जनपद का कस्बा है। जिसकी स्थापना राजपूत राजा नौरंगदेव ने की थी। कालान्तर में इसका नाम सहावर पड़ा और आज यह जनपद की तहसील है।

गंजडुण्डवारा भी इस जनपद का व्यापारिक कस्बा है। राजपूतों के बाद यह कस्बा सहाबुद्दीन गौरी के द्वारा डुडिया लोगों के बसाये जाने से 'डुडवारा' नाम से जाना गया, बाद में डुडवारा गंज और गंजडुण्डवारा के रूप में जाना गया। हैण्डलूम वस्त्रों के निर्माण के लिए इस कस्बे की अपनी पहचान है।

भरगैन का नाम भार्गव ऋषि के नाम पर पड़ा। यहाँ दो सूफी सन्तों की पुरानी मजारें हैं। यह मुस्लिम धर्म प्रधान नागरिकों के लिए श्रद्धास्वद है।

कादरगंज गंगातट पर बसा है। सुजात खान की वंश परम्परा के कादिरदाद खान के नाम पर इसका नाम कादरगंज पड़ा। यहाँ पुराने ऐतिहासिक किले के अवशेष आज भी विद्यमान हैं। आज गंगा स्नान का प्रमुख घाट है। यहाँ पर प्रसिद्ध फकीर रेता शाह की कब्र है, उनकी स्मृति में मेले का आयोजन हो रहे हैं।

इस जनपद के अन्य कस्बे, गाँव और स्थल भी विभिन्न धार्मिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रीय स्तर के कवि बलवीर सिंह 'बूरा' का नगला कटीला है अथवा लोक गायन, कलाओं और कुष्ती आदि के लिए भी जनपद सदैव गौरवान्वित रहा है।

आइये हम सब मिलकर इस जनपद की पुरातन संस्कृति, साहित्य, सद्पुरुषों, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित और संरक्षित ही न करें, बल्कि भविष्य के नये आयाम भी स्थापित करें, इस जनपद के विकास से सहयोगी और सहभागी बनें-आने वाला कल हमारे प्रयासों के मूल्यांकन की प्रतीक्षा में खड़ा है।

## —: जिले की सामान्य प्रवृत्ति :-

जनपद की आय विभिन्न प्रकार के करों से, पशुपालन, कृषि, वृक्षारोपण एवं समस्त प्राथमिक उपखण्ड, विनिर्माण एवं राज्य सरकार/भारत सरकार के अनुदान से होती है। जनपद कासगंज के विभिन्न उपखण्डों में आय की प्रवृत्ति इस प्रकार है। वाणिज्य कर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, मनोरंजन कर एवं करेत्तर राजस्व आदि से आय प्राप्त होती है। वर्ष 2014-15 में उपरोक्त सभी करों से रू0 24739.67 लाख की प्राप्ति हुयी जो लक्ष्य का 95.09 प्रतिशत है।

प्रायः इस जनपद में जून के अंतिम सप्ताह में तथा जौलाई के प्रथम सप्ताह तक मानसून सम्भावित है। खरीफ की फसल वर्षाकाल की होने के कारण वर्षा की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक हो जाता है। यदि वर्षा विलम्ब से होती है तो मक्का का क्षेत्र अधिक प्रभावित होता है तथा धान की रोपाई विलम्ब से होने की सम्भावना बढ़ जाती है।

जनपद कासगंज **भूकम्प प्रभावी जोन-4 के साथ-साथ बाढ़ प्रभावी क्षेत्र** है। जनपद कासगंज में अतिवृष्टि अथवा नदियों का जल स्तर बढ़ने से उत्पन्न हुई बाढ़/जलप्लावन की स्थिति से निपटने के लिए पूर्व की तैयारी की दशा में जिला स्तर पर इससे सम्बंधित समस्त विभागों के अधिकारियों एवं स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक आयोजित करके बाढ़/जलप्लावन जैसी आपदाओं एवं इससे उत्पन्न समस्याओं से निबटने व बचाव एवं प्रभावित व्यक्तियों को राहत दिये जाने की कार्यवाही करने के सम्बंध में इससे सम्बंधित समस्त बिन्दुओं पर विचार विमर्श करके तथा नालों की सफाई, बाँध, मरम्मत, जल निकासी, जीवनोपयोगी वस्तुओं, दवाओं एवं बाढ़ चौकियों/बाढ़ शरणालयों पर अधिकारियों/कर्मचारियों की तैनाती आदि के सम्बंध में समस्त सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया जाता है। जन प्रतिनिधियों से राहत कार्यों के सम्बंध में परामर्श एवं स्वयं सेवी संस्थाओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जाता है।

उ0प्र0 सरकार, विधायी अनुभाग-1 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या- 1032/सात-वि-1-1(क)-25-2005 दिनांक 11.8.2005 के अर्न्तगत आपदा के प्रभावी प्रबन्ध की व्यवस्था करने हेतु उ0प्र0आपदा प्रबन्ध अधिनियम-2005 बनाया गया है। उक्त अधिनियम की धारा-25 के अर्न्तगत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में अधिसूचना संख्या- 4141/1-11-2008-01(पी0)-2008 दिनांक 10 दिसम्बर, 2008 द्वारा जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण की स्थापना की गई है।

जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण का गठन निम्नानुसार किया गया है :-

1- जिलाधिकारी	अध्यक्ष
2- अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)	सदस्य/सचिव
3- पुलिस अधीक्षक	सदस्य
4- मुख्य चिकित्सा अधिकारी	सदस्य
5- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी	सदस्य
6- उपायुक्त, जिला उधोग केन्द्र, कासगंज	सदस्य
7- प्राचार्य, राजकीय पॉलिटैक्निक, सोरों	सदस्य

## **Chapter-2**

### **Hazard Vulnerability, Capacity and Risk Assessment**

जनपद कासगंज दैवीय आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा, भूकम्प, अग्निकाण्ड तथा आकाशीय बिजली से प्रभावित हुआ है। बाढ़ आपदा ही ऐसी है जो जनपद कासगंज को ज्यादा प्रभावित करती है। प्रत्येक वर्ष जुलाई माह से सितम्बर माह तक बाढ़ से जनपद कासगंज को नुकसान होता है। जनपद कासगंज में गंगा नदी एवं काली नदी प्रवाहित होती है। जनपद कासगंज में क्रमशः तीन तहसील कासगंज, पटियाली एवं सहावर है। गंगा नदी सबसे ज्यादा पटियाली तहसील को बाढ़ प्रभावित करती है। तहसील पटियाली में गंगा नदी जनपद बढ़ाऊँ की सीमा निर्धारित करते हुए निम्न ग्रामों से होकर बहती हैं—

1. ग्राम शहवाजपुर
2. कुसौल,
3. सुनगढी,
4. वरौना,
5. समसपुर
6. तराई,
7. नगला खन्दारी म0 तरसी,
8. नैथरा,
9. रिकैरा,
10. गठौरा,
11. सुन्दरायन,
12. कादरगंज पुख्ता,
13. कादरगंज खाम,
14. पनसोती,
15. खेडा भाट,
16. चिरोली भाट,
17. हटटू हाफिजगंज,
18. जिजौल,
19. रिजोला खुर्द,
20. नौली फतुआवाद,

21. मिहोला,
22. नरदोली खाम,
23. नरदोली पुख्ता,
24. मूजखेडा,
25. अलीपुर भकरी,
26. पीरनगर,
27. करीमनगर,
28. सनोडी सिंहमन खाम,
29. सनोडी सिंहमन पुख्ता,
30. राजपुर कुरा खाम,
31. राजेपुर कुरा खाम,
32. हिम्मतनगर वझेरा पूरव,

33. हिम्मतनगर वझेरा, पश्चिम के समीप होकर बहती है। बाढ़ से कुल 64 ग्राम तहसील पटियाली के प्रभावित होते हैं। तहसील पटियाली में गंगानदी ग्राम शहवाजपुर से ग्राम हिम्मतनगर वझेरा तक बहती है। गंगानदी की बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्राम गंगानदी के उत्तर व दक्षिण में बसे हुए हैं। तहसील कासगंज के उत्तर दिशा में गंगा नदी बहती है। इसमें नरौरा बैराज से अधिक पानी छोड़े जाने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बाढ़ से प्रभावित होने वाले सभी ग्राम विकास खण्ड सोरों के अन्तर्गत आते हैं। इस तहसील में काली नदी भी बहती है। जिसमें बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है। तहसील सहावर में जनपद बदायूँ की सीमा निर्धारित करते हुए गंगा नदी निम्न ग्रामों से होकर बहती है:-

1. न्यौली,
2. हसनपुर,
3. चंदवा पुख्ता,
4. चंदवा खाम,
5. बिकरों,
6. मनिकापुर खाम,
7. मनिकापुर पुख्ता,
8. मुजफ्फर नगर,
9. कैली बढापुर

10. बाजनगर, के समीप होकर गंगा नदी बहती है। इस नदी की बाढ़ से 10 ग्राम प्रभावित होते हैं। यह ग्राम गंगा नदी से दक्षिण दिशा में बसे हुए हैं। वर्षाकाल में बाढ़ से गंगा नदी ग्राम बिकरों और मुजफ्फर नगर व मनिकापुर पुख्ता में कटान करती है।

## Chapter-3

### Institutional arrangements for DM

#### 1– District Disaster Management Committee and Task Forces

क्र०सं०	नाम पदाधिकारी	पद
1	जिलाधिकारी, कासगंज	अध्यक्ष
2	पुलिस अधीक्षक, कासगंज	सदस्य
3	अपर जिलाधिकारी / जिला बाढ़ राहत अधिकारी, कासगंज	सचिव / सदस्य
4	मुख्य चिकित्साधिकारी, कासगंज	सदस्य
5	मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, कासगंज	सदस्य
6	उपजिलाधिकारी, कासगंज	सदस्य
7	क्षेत्राधिकारी, कासगंज	सदस्य
8	तहसीलदार, कासगंज	सदस्य
9	खण्ड विकास अधिकारी, कासगंज	सदस्य
10	जिला कृषि अधिकारी, कासगंज	सदस्य
11	जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज	सदस्य
12	अधिशाली अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कासगंज	सदस्य
13	अधिशाली अभियन्ता, सिंचाई विभाग, कासगंज	सदस्य
14	अधिशाली अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, कासगंज	सदस्य
15	अधिशाली अभियन्ता, जल निगम, कासगंज	सदस्य

## 2— Public and private emergency service facilities available in the district

लेखपाल / ग्राम प्रधान / राशन डीलर का नाम व मोबाइल नं० तहसील कासगंज

क्र. सं.	लेखपाल का नाम	मोबाइल नम्बर	ग्राम प्रधान का नाम	मोबाइल नम्बर	राशन डीलर का नाम	मोबाइल नम्बर
1	3	4	5	6	7	8
1	प्रेमपाल सिंह	9411444860	प्रेमपाल सिंह	8958746360	प्रीतमसिंह	9837758975
2	प्रेमपाल सिंह	9411444860	बृजेशवती	9659063272	रामफल सिंह	9719275256
3	प्रेमपाल सिंह	9411444860	कैलाश चन्द्र यादव	9719848497	आरामसिंह	9837737408
4	प्रेमपाल सिंह	9411444860	बृजेशवती	9759063272	रामफल सिंह	9719275256
5	प्रेमपाल सिंह	9411444860	बृजेशवती	9759063272	रामफल सिंह	9719275256
6	उमाशंकर	9997603456	नीरज यादव	05744-244357	शिवनरायन	8958748961
7	उमाशंकर	9997603456	सन्तोष कुमार	9719906678	धर्मेन्द्र	9759368060
8	उमाशंकर	9997603456	सन्तोष कुमार	9719906678	धर्मेन्द्र	9759368060
9	ज्ञान सिंह	9761897181	ज्वाली सिंह	8006859931	गिरीश शाक्य	8650019531
10	ज्ञान सिंह	9761897181	सत्यवीर सिंह	8650764406	नरेन्द्रसिंह यादव	9759410530
11	ज्ञान सिंह	9761897181	ज्वाली सिंह	8006859931	कमलेश कुमारी	9758737026
12	ज्ञान सिंह	9761897181	सत्यवीर सिंह	8650764406	जय दयाल	9627354363
13	ज्ञान सिंह	9761897181	पुष्पा देवी	9212744455	जागनसिंह	8006051267
14	ज्ञान सिंह	9761897181	पुष्पा देवी	9212744455	जागनसिंह	8006051267
15	ज्ञान सिंह	9761897181	ज्वाली सिंह	8006859931	कमलेश कुमारी	9758737026
16	अब्बल सिंह	9412536767	अनन्तविजय	9719171717	रामचन्द्र	9627172116
17	अब्बल सिंह	9412536767	अनन्तविजय	9719171717	रामचन्द्र	9627172116
18	अब्बल सिंह	9412536767	हरी सिंह	9759726130	सुखवीरसिंह	9675833599
19	मुकेश शर्मा	9758889130	महेन्द्र सिंह	9927178221	—	—

			न०पा०परि०सोरों में सभासद	(दिनेश)		
20	मुकेश शर्मा	9758889130	डा० के०डी०	9761362575	सुल्तान सिंह	7520160593
21	मुकेश शर्मा	9758889130	चरन सिंह यादव	9627116677	सुल्तान सिंह	7520160593
22	कुंवरपाल सिंह	9456877100	रामशंकर	9456925680	अशोक कुमार	9758817559
23	कुंवरपाल सिंह	9456877100	मौहरश्री	9837558993	रामखिलाडी	8126441443
24	राजेन्द्र सिंह	9456809553	सोमवती	9758687028	हुन्डीलाल	9412896484
25	ज्ञानसिंह	9761897181	श्यामवती	9536530287	किशोरीलाल	9761380518
26	ज्ञानसिंह	9761897181	श्यामवती	9536530287	किशोरीलाल	9761380518
27	राजेन्द्रसिंह	9456809553	ईश्वर देवी	7830561178	मुन्नी देवी	9358986440

### ग्राम प्रधान का नाम व मोबाइल नं० तहसील पटियाली

क्र०सं०	प्रधान का नाम	मोबाइल नम्बर
1	श्रीमती मीरा देवी	9410266825
2	श्रीमती ममता	9457178934
3	श्रीमती श्वेता	9997374383
4	श्रीमती कान्ती देवी	9568155087
5	श्री सतीश चन्द्र	9720111204
6	श्रीमती मीना देवी	9837966283
7	श्रीमती हाजिरा बेगम	7088412366
8	श्रीमती अनवीर सिंह	9758118594
9	श्रीमती गंगाश्री	9575007811
10	श्रीमती मीना देवी	9837966283
11	श्री झब्बू सिंह	9719606733
12	श्री अरसद	9999627764
13	श्रीमती ममता कुमारी	9761863116
14	श्रीमती सरला कुमारी	9719452099



15	श्री सत्यप्रकाश	7037793412
16	श्रीमती संध्या	9737786720
17	श्रीमती सरोज	8650388642
18	श्रीमती धर्म शीला	9758060714
19	श्री देवेन्द्र सिंह	9759179841
20	श्रीमती त्रिवेनी देवी	9758500071
21	श्री नेम सिंह	9720054162
22	श्रीमती तारावती	9012983614
23	श्री बादल	9675152090
24	श्री रामवीर	9012983614
25	श्रीमती रामप्यारी	9411236304
26	श्रीमती सावित्री	9410878513
27	श्री जसवीर सिंह	9457941106
28	श्रीमती कन्यावती	9758549010
29	श्रीमती कुसुमा देवी	9458754264
30	श्रीमती सुनीता	9997409630
31	श्रीमती माया देवी	9719931915
32	श्री शिवांक	9897914830
33	श्री राजकुमार	9759936401

**ग्राम प्रधान का नाम व मोबाइल नं० तहसील सहावर**

क्र०सं०	ग्राम का नाम	प्रधान का नाम	मोबाइल नम्बर
1	मुजफ्फर नगर	श्रीमती सोना देवी	9917881571
2	न्यौली	श्री मनोज कुमार	9368931266
3	हँसनपुर	श्रीमती गायत्री देवी	9927976321
4	चंदवा पुख्ता	श्री सतेन्द्र	9761402243
	चंदवा पुख्ता खाम	श्री सतेन्द्र	9761402243
5	मनिकापुर पुख्ता	श्री रामरहीस	9568106070
	मनिकापुर खाम	श्री रामरहीस	9568106070
6	कैली बढापुर	श्रीमती सोना देवी	9917881571
7	बिकरों	श्रीमती सोना देवी	9917881571
8	बाजनगर सफेद	श्री सन्तोष कुमार	8954631763

**जनपद कासगंज के जन प्रतिनिधियों के नाम व दूरभाष नम्बर**

क्रम संख्या	नाम जन प्रतिनिधिगण	क्षेत्र का नाम	मोबाइल नम्बर
1	मा० श्री राजवीर सिंह (राजू भईया)	मा० सांसद कासगंज/एटा	9756077777
2	मा० श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत	मा० विधायक, कासगंज	9719875352
3	मा० श्री देवेन्द्र प्रताप	मा० विधायक, अमांपुर	9412734699
4	मा० श्री ममतेश शाक्य	मा० विधायक, पटियाली	9412282494

# Chapter-4

## Prevention and mitigation measures.

### बिजली / तड़ित और वज्रपात

#### वज्रपात से बचाव कार्य:—

- आकाशीय बिजली चमकने पर सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बन्द रखे जाने की चेतावनी जारी की जाती है।
- ऊँची बनी इमारतों में बज्रपातरोधी यन्त्र लगाए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।
- आकाशीय बिजली की सम्भावना होने पर तत्काल विद्युत आपूर्ति बन्द किए जाने के निर्देश दिए जाते हैं।
- वर्षा / बिजली से बचाव हेतु व्यक्तियों, बच्चों, पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।

#### वज्रपात के समय अगर आप घर से बाहर हों —

- अगर आपको बिजली चमकने के 10 सैकेण्ड बाद गर्जन सुनाई देती है तो इसका मतलब वो आपसे 3 कि०मी० दूर है। अतः तुरन्त ही सुरक्षित आश्रय ढूँढें। गर्जन और बिजली चमकने में जितना कम समय लगता है उतना ज्यादा पास में वज्रपात होता है।

#### अगर आप घर के अंदर हों :-

- आँधी आने से पहले टी०वी० रेडियो, और कम्प्यूटर सभी का मोडेम और पावर प्लग निकाल दें।
- सारे पर्दे लगा दें। खिड़कियाँ बंद रखें। बिजली से चलने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

- टेलीफोन का प्रयोग न करें। आपातकाल में फोन करें पर विद्युत चालक वस्तुओं का न छुएँ। खाली पैर फर्श या जमीन पर खड़े न हों।

### प्राथमिक उपचार :-

तुरन्त हृदय के पास मालिश करें और मुँह द्वारा पुररुज्जीवन क्रिया करें । ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि कोई मदद न पहुँचे। (आपको रोगी से बिजली नहीं लगेगी)

### वज्रपात के कुछ तथ्य एवं गलत धारणाएँ :-

- जब किसी पर बिजली गिरती है तो वो जल नहीं जाता बल्कि उसके हृदय और श्वास नली पर असर होता है।
- करीबन 30 प्रतिशत लोग जिन पर वज्रपात होता है मरते हैं। अगर प्राथमिक उपचार सही समय पर दिया जाये तो
- लम्बी बीमारी की सम्भावना बहुत कम हो जाती है।
- अगर आपके कपड़े गीले हैं तो आप पर वज्रपात का उतना असर नहीं होगा क्यों कि आवेगित चार्ज कण गीले कपड़े कपड़े से गुजर जाएगा ना कि शरीर से।
- एक ही जगह कई बार वज्रपात हो सकता है।

## बाढ़

### बाढ़ से पूर्व बचाव कार्य—

- बाढ़ आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।
- जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को बाढ़ से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक बाढ़ नियंत्रण कक्षा की स्थापना कर दी जाती है।
- बाढ़ आने से पूर्व क्षतिग्रस्त बाँधों की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया जाता है।

- बाढ़ग्रस्त ग्रामों को पहले से ही खाली कराकर, ग्रामवासियों, पशुओं को सुरक्षित स्थानों में पहुँचा दिया जाता है। तथा उनके रहने, खाने-पीने, दवायें आदि की उचित व्यवस्था कर दी जाती है।
- बाढ़ आने से पूर्व बाढ़ग्रस्त ग्रामों में एक मॉकड्रिल कराकर सभी को बाढ़ से निपटने हेतु सचेत कर दिया जाता है।
- नरौरा बैराज से पानी छोड़े जाने पर बाढ़ की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।

### सुरक्षा सुझाव :-

- घर के सभी सदस्यों एवं राहत कार्यकर्ताओं को नजदीकी सुरक्षित आश्रय का पता होना चाहिए।
- अगर आपका घर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में है तो मकान मजबूती से सीमेंट आदि से बनवाएँ। मिट्टी के घर जल्दी से ढह जाते हैं।
- आपात कालीन बाक्स हमेशा अपने पास रखें जैसे :- एक छोटी रेडियो, टार्च एवं बैटरी, पानी, सूखा भोज्य पदार्थ (चूड़ा, मुरमुरे, भुने हुए चने, गुड़, बिस्कुट आदि) किरासिन तेल, मोमबत्ती, माचिस आदि हमेशा अपने पास स्टॉक में रखें। पालीथिन बैग, या वाटरप्रूफ बैग आदि रखें जिसमें कपड़े, मँहगे सामान, छाता, चीनी, नमक, और लकड़ी (सॉप आदि भगाने के लिए) प्राथमिक उपचार बाक्स, मजबूत रस्सी अपने पास हमेशा रखें।

### जब बाढ़ आने की चेतावनी सुनें :-

- रेडियो या टी0वी0 देखें चेतावनी व सुझाव के लिए।
- स्थानीय अधिकारी की चेतावनियों पर ध्यान रखें।
- अफवाहों पर ध्यान न दें और न घबरायें।
- सूखे भोज्य पदार्थ, कपड़े, पेयजल तैयार रखें।
- बैलगाड़ी, कृषि उपर्युक्त सामान या मशीन और पालतू जानवरों को ऊँची सुरक्षित जगह पर ले जायें।
- यह सोचकर तय कर लें कि कौन सा सामान आप फेंक सकते हैं अगर बाढ़ आ गई तो, आपात कालीन बाक्स को चैक कर लें।

### **बाढ़ के दौरान :-**

- उबला हुआ पानी पीयें।
- खाना ढक कर रखें। ज्यादा खाना न खायें। हल्का भोजन लें।
- कच्ची, चाय, चावल का पानी, नारियल का पानी आदि का दस्त के समय सेवन करें और उपचार हेतु अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें।
- बच्चों को भूखा न रहने दें।
- ब्लीचिंग पाउडर आदि से घर को साफ रखें।
- स्थानीय अधिकारियों को राहत कार्यों, सामग्री वितरण आदि में सहयोग दें।

### **अगर जगह खाली करनी हो तो :-**

- सबसे पहले गर्म कपड़े जरूरी दवाएँ कीमती वस्तुएँ, निजी कागज आदि को वाटर प्रूफ बैग, पालीथिन आदि में रख लें एवं आपातकालीन बॉक्स को साथ रखें।
- स्थानीय स्वयं सेवकों/कार्यकर्ताओं को सूचित करें कि आप कहाँ जा रहे हैं। कीमती सामान को पलंग के ऊपर रखें सबसे ऊपर बिजली के सामान को रखें।
- मेन पावर को बन्द कर दें।
- अगर पानी की गहराई की जानकारी न हो तो कभी भी पार करने की कोशिश न करें।

### **अगर बाढ़ के दौरान आप घर पर ही रूके हों या वापस लौटे हो तो :-**

- विभिन्न माध्यमों से ताजा जानकारी प्राप्त करते रहें।
- बच्चों को बाढ़ के पानी के पास न खेलने दें तथा बाढ़ के पानी में जाने से बचें।
- अगर बाढ़ का पानी पार करना आवश्यक हो तो जरूरी कपड़े व जूते पहनें। पानी की गहराई व बहाव लकड़ी की सहायता से जाँचें।
- बिजली वाली वस्तुओं का प्रयोग न करें जब तक कि जाँच न लें कि इनमें बाढ़ का पानी तो नहीं चला गया।

- वैसा कोई भोज्य पदार्थ का सेवन न करें जो कि बाढ़ के पानी से प्रभावित हुआ हो।
- नल के पानी को उबाल कर पीयें जब तक जल विभाग उसे सुरक्षित घोषित न कर दे।

## सूखा

भारत में कृषि के सन्दर्भ में यदि बात करें तो कुल कृषि का 60 प्रतिशत अभी भी मानसून आधारित कृषि होती है। मानसून की अनियमितताओं ने इतने बड़े कृषिगत कार्य को बुरी तरह प्रभावित किया है और देश के अधिकांश हिस्से में सूखे की स्थिति पैदा कर रखी है।

### सूखा से पूर्व बचाव कार्य—

- सूखा आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।
- जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को सूखा से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक सूखा नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।
- नहरों में टैलों तक पानी पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।
- सभी ट्यूबवेल चालू हालत में रखे जाने की व्यवस्था की जाती है।

### वर्षा समय पर प्रारम्भ होने के बाद लम्बा अन्तराल होने की दशा में :-

(क) ऐसी दशा में फसलों की बुआई/रोपाई समय पर तो हो जाती है, किन्तु उसके पश्चात् प्रारम्भिक अवस्था में ही फसल सूखने लगती है। अतः आवश्यक है कि :-

- क-1 जब तक पर्याप्त वर्षा न हो बुआई प्रारम्भ न करें।
- क-2 यदि बुआई में विलम्ब हो रहा हो तो कम अवधि की प्रजातियों की सूखा सहनशील प्रजातियों की बुआई की जाय।
- क-3 फसलों में घने पौधों का विरलीकरण (थिनिंग), खरपतवारों को राकने हेतु अन्तःकर्षण एवं मल्ल का प्रयोग किया जाय।  
फसल में पौध संख्या कम रखी जाय तथा मल्ल के रूप में बायोमास (जैव उत्पाद) का प्रयोग किया जाय।

- क-4 जीवन रक्षक सिंचाई हेतु क्यारी तथा बरहा विधि अथवा एकान्तर पंक्ति विधि को अपनायें।
- क-5 खेतों, तालाबों पोखरों एवं झीलों इत्यादि में पानी का संरक्षण किया जाये जिससे फसल की क्रान्तिक वृद्धि की दशाओं में उन्हें सिंचित किया जा सके।
- क-6 संग्रहित/एकत्रित किये गये जल का दक्ष सिंचाई विधियाँ अपनाकर फसलों को बचायें।
- क-7 फसलों द्वारा जन हानि को कम करने के लिए ज्वार, मक्का तथा गन्ने की पुरानी पत्तियों को पौधों से अलग कर उन्हें मल्व के रूप में प्रयोग करें।
- क-8 पोषक तत्वों (नत्रजन) का घोल बनाकर (2 प्रतिशत यूरिया) पर्णिय छिड़काव किया जाये।
- क-9 खेतों की जुताई धान के लम्बवत् दिशा में की जाये।
- क-10 नहरों/नलकूपों की नालियों को ठीक दशा में रखा जाये, जिससे उपलब्ध सिंचाई जल की कम से कम क्षति हो।
- क-11 संकेन-बेड विधि से धान एवं उर्द/अरहर की सह-फसली खेती की बुवाई की जाये।

### वर्षा विलम्ब से शुरू होने की दशा (मानसून देर से आना) :-

(ख) इसमें प्रायः सामान्य तिथि से 3 सप्ताह या उससे अधिक समय पश्चात वर्षा शुरू होना आता है। फसलों की बुआई/रोपाई प्रभावित होने के साथ उत्पादकता में भारी कमी आ जाती है। ऐसी स्थिति में :-

- ख-1 पौध खराब होने व विलम्ब से मानसून आने की स्थिति में स्त्री पद्धति से ही धान की खेती की जाय, इसके लिए कम अवधि की 8 से 12 दिन की दो से तीन पत्तियों वाली एक पौध 25-25 सेमी0 पंक्ति एवं पौधों की दूरी पर 2-3 सेमी0 की गहराई पर रोपाई की जावे। स्त्री विधि से 1 है0 की रोपाई हेतु मात्र 1,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल की पौध पर्याप्त है तथा 5 से 6 कि0ग्रा0 बीज क है0 की रोपाई हेतु पर्याप्त होगा। नर्सरी में रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग न कर जैविक ढंग से खेती की जाय। खरपतवार नियंत्रण हेतु कानोवीडर का प्रयोग किया जाय।



ख-2 धान की नर्सरी 15 दिन के अन्तराल पर तैयार की जाय तथा नर्सरी में आवश्यकता से अधिक क्षेत्र रखा जाय ताकि विषम परिस्थितियों में उचित अवस्था की पर्याप्त पौध उपलब्ध रहे ।

ख-3 यदि वर्षा कुछ विलम्ब से अर्थात् 30 जून के बाद प्रारम्भ होती है तो ऐसी स्थिति में धान की मध्यम अवधि की प्रजातियों जैसे सरयू-52, नरेन्द्र-359, पी0एन0आर0-381, नरेन्द्र धान-2064, नरेन्द्र धान-2026 तथा नरेन्द्र धान-312 का चयन किया जाय ।

### वर्षा/मानसून का समय से प्रारम्भ होकर समय से पहले समाप्त होने की स्थिति:-

(ग) ऐसी दशा में वर्षा 20 जून के आस-पास शुरू तो हो जाती है लेकिन अगस्त के तीसरे सप्ताह या सितम्बर के आरम्भ में ही समाप्त हो जाती है। ऐसी स्थिति में खरीफ की प्रमुख फसल धान को भारी क्षति होती है। अतः निम्न उपाय श्रेयस्कर होंगे-

ग-1 नमी संरक्षण तथा जल प्रबन्धन की क्रियाएँ अपनायी जाय ।

ग-2 संग्रहित/एकत्रित जल समुचित उपयोग फसलों की जीवन-रक्षक सिंचाई हेतु किया जाय ।

ग-3 दलहन, तिलहन, धान, ज्वार, मक्का, बाजरा इत्यादि की कम अवधि की प्रजातियों की बुवाई की जाय ।

ग-4 रबी व अगेती रबी की फसलों की तैयारी करें ।

ग-5 मक्का, ज्वार, बाजरा इत्यादि की पुरानी/निचली पत्तियों को निकाला जाय साथ ही इन्हें मल्व के रूप में प्रयोग किया जाये ।

ग-6 मल्विंग एवं खरपतवार नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये ।

ग-7 सिंचाई-जल की हानि न्यूनतम करने के लिए उपयुक्त नियंत्रित सिंचाई विधियों तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर, सिंचाई पद्धतियों का प्रयोग किया जाये ।

ग-8 नहरों/नलकूपों की नालियों को ठीक दशा में रखा जाय तथा नहरों के अन्तिम छोर तक पानी पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाये ।

### मानसूनी वर्षा सामान्य से कम होने की स्थिति में :-

(घ) ऐसी स्थिति में सामान्य की अपेक्षा कम वर्षा होने का मई-जून माह में पूर्वानुमान प्रायः हो जाता है। स्वाभाविक है कि कम वर्षा होने से खरीफ की फसलों की वृद्धि एवं उपज प्रभावित होती है। अतः उचित होगा कि :-

घ-1 फसल योजना में एक से अधिक फसलों का समावेश किया जाय तथा एकल फसल की अपेक्षा मिश्रित फसलों को उगाने की प्राथमिकता दी जाय।

घ-2 कम अवधि की फसल एवं प्रजातियों का चयन किया जाना चाहिए।

घ-3 फसल योजना में कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों का समावेश किया जाये।

घ-4 जल-संग्रहण के उपाय अपनाएँ तथा संचित जल का सिंचाई हेतु उपयोग करें।

### वर्षा का बीच-बीच में रुकने (सूखा/अवर्षण) की स्थिति:-

अवर्षण की अवधि 2-3 सप्ताह या अधिक होने के कारण बोई गई फसलें सूखने लगती हैं और उत्पादकता में भारी कमी आ जाती है। अतः खड़ी फसल को बचाने हेतु निम्न उपाय लाभकारी होंगे :-

1- अवर्षण/सूखा के कारण जिन खेतों की फसलें सूख गयी हों, उनमें बाद में वर्षा होने पर कम समय में तैयार होने वाली संकुल बाजरा, ज्वार, उर्द, मूँग तथा तिल की बुवाई की जाय।

2- अवर्षण/सूखा की स्थिति के कारण खेत खाली रह जाने अथवा फसलों के सूख जाने की दशा में बुवाई हेतु विलम्ब से बोयी जाने वाली फसलों एवं फसल प्रजातियों का चयन किया जाय। विलम्ब से बुवाई हेतु अगस्त के प्रथम सप्ताह तक उर्द की उत्तरा, टाइप-9 नरेन्द्र उर्द-1, पन्त यू-35 एवं पन्त यू-19 प्रजाति 10 से 20 अगस्त तक मूँग की बुवाई हेतु टाइप-44, पन्त मूँग-1, पन्त मूँग-2, सम्राट मालवीय, जनप्रिया, मालवीय जनचेतना, मालवीय ज्योति एवं नरेन्द्र मूँग-1 अरहर की सितम्बर माह में बुवाई हेतु विकास, पूसा-9 एवं डी-11 तथा अण्डी (कैस्टर) की सितम्बर माह में बुवाई हेतु टाइप-4 एवं कालपी-6 प्रजातियों का चयन करें।

3- सूखा के प्रति सहनशीलता बढ़ाने हेतु 2.5 कि०ग्रा० यूरिया एवं 2.5 कि०ग्रा० पोटाश का छिड़काव करें।

- 4— अगस्त के आखिर तक फसल सूख जाने अथवा बुवाई/रोपाई न हो पाने वाले खेतों में सितम्बर के प्रथम पखवारे में अगेती राई, सरसों, तोरिया इत्यादि की बुवाई की जाय।
- 5— नमी एवं जल संरक्षण एवं प्रबन्धन की क्रियाओं को अपनाया जाय।
- 6— कैच ड्राप फसलों की बुवाई की जाय।

## **भूकम्प**

### **भूकम्प से पूर्व बचाव कार्य—**

- नवनिर्मित सभी भवनों को भूकम्परोधी बनाए जाने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।
- भूकम्प की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।
- पुराने जीर्ण—झीर्ण भवनों को खाली कराकर भवनों को ध्वस्त किए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।
- भूकम्प आने की स्थिति में व्यक्तियों, बुजुर्गों, बच्चों आदि को सुरक्षित खुले मैदानों में पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।

### **भूकम्प से पहले क्या करें :-**

- अल्मारियों, गैस सिलेण्डरों और फूलदानों को घर की दीवार के साथ सटा कर रखें।
- भारी तथा बड़े सामान को फर्श पर या सबसे नीचे खाने में रखें।
- घर के सभी सदस्यों को समझा दें कि बिजली, पानी और गैस सप्लाई को कैसे बंद किया जाता है।

### **भूकम्प के दौरान क्या करें :-**

- स्वयं धीरज बनायें रखें तथा दूसरों को भी धीरज बधाँए।
- यदि आप घर पर या किसी इमारत या किसी सभागार के भीतर हैं तो, अंदरूनी दरवाजे के सरकल के नीचे, कमरे के किसी कौने, किसी मेज या यहाँ तक कि किसी चारपाई के नीचे रहकर अपने आप को बचायें।

- यदि आप गली या सड़क पर हों तो बिना घबराये किसी खुली जगह की तरफ चले जाइये। इमारतों खासकर पुरानी व ऊँची इमारतों, बिजली के तारों, ढलानों या ऐसी दीवारों से हटकर चलें, जिनके गिरने का डर हो।
- यदि आप वाहन चला रहे हों तो अपने वाहन को इमारतों, दीवारों, ढलानों, बिजली के तारों से दूर ले जाकर रोक दें और उसी में बैठे रहें।

#### **भूकम्प के बाद क्या करें :-**

- शांत बने रहें और टी0वी0 रेडियो के माध्यम से मिल रहे निर्देशों का पालन करें।
- नदियों के निचले किनारों से दूर रहें कोई भारी लहर ऐसे किनारों को तोड़ सकती है।
- भूकम्प के बाद के झटके के लिए तैयार रहें।
- पानी, बिजली और गैस सप्लाई बंद कर दें।
- टार्च का प्रयोग करें।
- यदि आग लग जाये तो उसे बुझाने की कोशिश करें या फायर बिग्रेड को सूचित करें।
- कुछ खाते रहें जिससे आप स्वस्थ और स्वयं तथा दूसरों की मदद के योग्य बने रहेंगे।
- यदि आपके घर को भारी नुकसान पहुँचा हो तो उसे छोड़ दें तथा अपनी आपात किट साथ ले लें।

#### **भूकम्प के दौरान क्या न करें :-**

- घबरा कर दौड़ें नहीं और न गलियों में घूमें।
- दरवाजों की तरफ न भागें। लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल न करें खिड़कियों, शीशे तथा फर्नीचर से बहुत दूर रहें।
- घूम्रपान न करें और माचिस अथवा लाइटर न जलाएँ। बिजली के बटन ऑन या ऑफ न करें क्यों कि गैस लीक या शार्ट सर्किट हो सकते हैं।
- यदि लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये हों तो उन्हें खतरा होने की स्थिति में ही उनकी जगह से हटायें।
- आग पकड़ने वाली कोई वस्तु फैल जाय तो तुरन्त साफ कर दें।

- यदि आपको पता चले कि लोग दब गये हैं तो फौरन राहत दलों को सूचित करें। उनकी मदद को स्वयं न भागें और घायलों तथा अपनी हालत को और ना बिगाड़ें।
- ऐसे स्थानों पर न जायें जहाँ बिजली के तार लटक रहे हों और उनके छूने वाली किसी धातु की वस्तु को हाथ न लगाएँ।
- खुले बर्तनों में रखे पानी को जाँच किये बिना और फिल्टर या कपड़े से छाने बिना मत पियें।
- जो इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी हों उनके अंदर न जायें और क्षतिग्रस्त ढाँचों के निकट भी न जाँय।
- अनावश्यक भीड़ एकत्र न करें जिससे राहत दलों को बचाव कार्य में विघ्न न पड़े।

**—: जनपद कासगंज में आपदा से बचाव हेतु उपकरण :—**

जनपद कासगंज में आपदा से निबटने हेतु निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध है

क्रमॉक	उपकरण का नाम	संख्या
1	सर्च लाईट	120
2	लाइफ ब्वाय	120
3	लाइफ जैकेट	120
4	मेगा फोन	120
5	फोल्डेबल स्ट्रैचर	120
6	फर्स्ट एड किट	120
7	सेफ्टी हेलमेट	120
8	फायर एक्सटिन्ग्यूशर	120
9	जरीकेन (वाटर कन्टेनर)	120

# Chapter-5

## Preparedness measres.

जनपद कासगंज में क्रमशः तीन तहसील कासगंज, पटियाली एवं सहावर हैं। जनपद कासगंज बाढ़ के द्वारा ही प्रभावित होता है। जिसके लिए तहसीलस्तर पर अधिकारियों द्वारा बाढ़ से निपटने हेतु तैयारियाँ करली जाती हैं।

### तहसील कासगंज में आपदाओं से पूर्व किये जाने वाली तैयारियाँ

विस्थापित परिवारों की संख्या अधिक होने की स्थिति में परिवारों को शिविर में ठहराने हेतु मेला मैदान सोरों एवं खण्ड विकास कार्यालय सोरों के पूरव की ओर लगी हुयी सड़क किनारे की भूमि को चिन्हित कर लिया गया है।

बाढ़ की स्थिति होने पर विस्थापित परिवारों को ठहराने हेतु प्लास्टिक त्रिपाल यथासमय स्थानीय बाजार से क्रय कर वितरित करने की व्यवस्था की जायेगी तथा शिविरों में विस्थापित परिवारों को लंच पैकेट की व्यवस्था यथा समय करा दी जावेगी।

जनपद कासगंज के तहसील कासगंज पर बाढ़ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाता है।

जिस पर लगातार स्टाफ की तैनाती रहती है।

कन्ट्रोल रूम का नम्बर:- 05744-244584

## तहसील कासगंज में उपलब्ध नावों एवम् गोताखोरों का विवरण

तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुवीर नि० इकलहरा के पास एक नाव है एवम् इन्सपैक्टर नि० लहरा पर एक नाव है, जिनसे सम्पर्क कर लिया गया है। उसके द्वारा बाढ़ की स्थिति में नाव उपलब्ध करा दी जायेगी। श्री महेन्द्र सिंह द्वारा बाढ़ के समय गतवर्ष भी नाव उपलब्ध करायी गयी थी। नाव चलाने के लिये नाव मालिक द्वारा मल्लाह उपलब्ध कराये जायेंगे।

### नाव मालिकों के नाम—

1. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र रघुवीर सिंह नि० इकलहरा।

मोबा० नं० 9927178221 (दिनेश)

### गोताखोरों के नाम—

तहसील कासगंज के अन्तर्गत 5 गोताखोर हैं जिसका विवरण निम्नवत् है—

- |   |  |
|---|--|
| 1. रामनिवास पुत्र रतीराम जाति मल्लाह नि० इकलहरा | मो० नं० 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी) |
| 2. मूलचन्द्र पुत्र मक्खन जाति मल्लाह नि० इकलहरा | मो० नं० 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी) |
| 3. कालीचरन पुत्र बहादुरी जाति मल्लाह नि० इकलहरा | मो० नं० 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी) |
| 4. दयाराम पुत्र बल्लू जाति मल्लाह नि० इकलहरा    | मो० नं० 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी) |
| 5. कन्हई पुत्र नौवत जाति मल्लाह नि० इकलहरा      | मो० नं० 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी) |

## तहसील पटियाली में आपदाओं से पूर्व किये जाने वाली तैयारियाँ

गंगानदी में आने वाली वाढ़ को रोकने हेतु ग्राम शहवाजपुरपर सिंचाई विभाग द्वारा स्टड बनाये जाते हैं। स्टड के निर्माण होने से शहवाजपुरग्राम की आवादी का कटान रुक जायेगा। वर्ष 2014-15 में गंगानदी में आई वाढ़ के कारण समसपुर तराई पर बना मनरेगा योजना का बांध व नबावगंज नगरिया पर सिंचाई विभाग द्वारा बना बांध कट गया था। उसके पानी से किसी भी ग्राम की आवादी प्रभावित नहीं हुई थी। फसलें सूखा से प्रभावित थीं। बांध के कटान से आने वाले पानी से फसलों को कोई क्षति नहीं हुई थी। ग्राम नाबवगंज नगरिया पर क्षतिग्रस्त बांध पर सिंचाई विभाग द्वारा मरम्मत कार्य कराया जा रहा है तथा मनरेगा योजना से बनाये गये क्षतिग्रस्त बांधों के मरम्मत का कार्य ग्राम प्रधानों द्वारा कराया जा रहा है।



## तहसील पटियाली में गंगानदी में बाढ़ आने के फलस्वरूप सामान पहुंचाने का रूटचार्ट

तहसील पटियाली में बाढ़ से प्रभावित ग्रामों तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिये पटियाली से गंजडुण्डवारा व गंजडुण्डवारा से कादरगंज 22 किमी चलकर गंगानदी तक पहुंचेंगे। फिर वहां से पश्चिम दिशा में शहवाजपुर 10 किमी. व पूरव दिशा में सनौडी खास 20 किमी. तथा कादरगंज से उत्तर में बाढ़ चौकी नगला दुर्गू 6 किमी० तथा नगला डम्बर 10 किमी० चलकर पहुंचेंगे।

तहसील पटियाली पर बाढ़ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिस पर आपदा के समय तहसील पटियाली का स्टाफ तैनात किया जाता है।

कन्ट्रोल रूम का नम्बर:- 05740-252274

## तहसील सहावर में आपदाओं से पूर्व किये जाने वाली तैयारियाँ

तहसील सहावर में गंगा नदी में बाढ़ आने के फलस्वरूप सामान पहुँचाने का रूट चार्ट:- तहसील सहावर में बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों तक राहत सामग्री पहुँचाने के लिए तहसील सहावर से 6 किमी० बौदर शहवाजपुर मार्ग से म्यासुर से मंगदपुर होते हुए मुजफ्फर नगर 3 किमी० पहुँचें।

मोटर बोट एवं नाव की उपलब्धता एवं व्यवस्था:- बाढ़ से प्रभावित गाँवों में बाढ़ के समय तहसील सहावर में नाव की आवश्यकता नहीं है, और न राजस्व विभाग की नाव है। आवश्यकता पड़ने पर नगला पंखिया म० कछला जनपद बदायूं के ठेकेदार श्री अजमेर पुत्र श्री आसफ मो० नं०- 9412490056 से किराये पर नाव की व्यवस्था की जाती है।

तहसील मुख्यालय सहावर पर बाढ़ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिस पर नायब

तहसीलदार श्री सन्तोष कुमार प्रभारी के रूप में तैनात किये गये हैं।

जिनका इनका मोबाइल नं०-9454449489 है।

# Chapter-6

## Capacity Building and Training measures.

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अन्तर्गत आपदाओं के प्रति जनप सामान्य को जागरूक एवं प्रशिक्षित कर उनके क्षमता निर्माण सम्बन्धी कार्यक्रम में ग्राम पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण के दौरान मॉकड्रिल के माध्यम से खोज एवं बचाव के सामान्य उपकरणों के प्रयोग कर आपदाओं के समय अपना एवं समुदाय के लोगों का बचाव किए जाने हेतु प्रशिक्षित किया जाना भी सम्मिलित है। आपदाओं से प्रभावित जनपदों में 15 मास्टर ट्रेनरों को प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षित किया गया है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र०	चयनित मास्टर ट्रेनर का नाम	पदनाम विभाग	मोबाइल नं०
1	2	3	4
1	श्री भगवान सिंह	सहा० अभियंता, आर०ई०डी०, कासगंज	9412011622
2	श्री संजीव कुमार	जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास	9410889923
3	श्री सुधीर मिश्रा	जिला समन्वयक, बालिक शिक्षा, बेसिक शि० कासगंज	9412622709
4	श्री कप्तान सिंह	सहा० अभियन्ता, लो०नि०विभाग, कासगंज	9760594789
5	श्री एस०के० आर्य	सहा० अभियन्ता, जल निगम, कासगंज	9639314326
6	श्री सीताराम	सहा० अभियन्ता, नलकूप, कासगंज	9454415454
7	श्री सैयद शाहनवाज अली किरमानी	सहा० अभियन्ता, सिंचाई, कासगंज	9319273772
8	श्री भगवान सिंह	सहा० अभियन्ता, आर०ई०एस०, कासगंज	9412011622
9	डा० प्रमोद कुमार वशिष्ठ	प्रो० के०ए०पी०जी० कालेज, कासगंज	9410804686
10	डा० प्रवीन सिंह जादौन	प्रो० के०ए०पी०जी० कालेज, कासगंज	9286117199
11	डा० के०के० सिंह	प्रो० के०ए०पी०जी० कालेज, कासगंज	9412467863
12	श्री आर०के० सारस्वत	जिला मलेरिया अधिकारी, कासगंज	
13	श्री आलम सिंह	मलेरिया निरीक्षक, कासगंज	
14	श्री प्रमोद मिश्रा	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, कासगंज	
15	श्री हामिद हुसैन	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, पटियाली	

इन प्रशिक्षित 15 मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा जनपद स्तर पर कुल 105 व्यक्तियों (लेखपाल) को 04 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया है। जिसके लिए जनपद की तीनों तहसीलों से 35-35 लेखपालों का चयन कर लिया गया है। तत्पश्चात् इनके द्वारा जनपद के आपदाओं के लिए अतिसंवेदनशील कुल 120 ग्रामों में 50-50 व्यक्ति को आपदा से बचाव व उसके प्रति जागरूक कर प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। बाढ़ एवं सूखा प्रभावित जनपदों के प्रशिक्षण तथा चिन्हित आपदा के प्रति अतिसंवेदनशील 120 ग्राम पंचायतों में प्रशिक्षण के दौरान मॉकड्रिल से सम्बन्धित निम्न उपकरण जनपदस्तर पर क्रय किये गये हैं:-

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों हेतु चिन्हित उपकरण		
क्रम संख्या	उपकरण	संख्या
1	सर्च लाईट	1
2	लाइफ जैकेट	1
3	लाइफ ब्याय	1
4	मेगाफोन	1
5	फोल्डेबुल स्ट्रेचर	1
6	फर्स्ट एड किट	1
7	सेपटी हेलमेट	1
8	फायर एक्सटिन्ग्यूअर	1
9	जरीकेन (वाटर कन्टेनर)	5

सूखा प्रभावित क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों हेतु चिन्हित उपकरण		
क्रम संख्या	उपकरण	संख्या
1	मेगाफोन	1
2	फोल्डेबुल स्ट्रेचर	1
3	फर्स्ट एड किट	1
4	सेपटी हेलमेट	1
5	फायर एक्सटिन्ग्यूअर	1
6	जरीकेन (वाटर कन्टेनर)	5

उक्त समस्त सामग्री की 40-40 किट तहसील कासगंज, सहावर एवं पटियाली में 120 ग्राम पंचायतों के लिए आपदाओं से निपटने हेतु उपलब्ध करा दी गई है।

## Chapter-8

### Reconstruction, Rehabilitation and recovery measures

जनपद कासगंज में विगत कुछ वर्षों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। वर्ष 2013 में आई बाढ़/अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पतियों की मरम्मत/पुनर्निर्माण की आवश्यकता हुई है। बाढ़/अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पतियों की मरम्मत/पुनर्निर्माण हेतु राज्य आपदा मोचक निधि से प्रान्तीय खण्ड लो0नि0 विभाग, कासगंज द्वारा कुल 62 मार्गों का मरम्मत/पुनर्निर्माण का कार्य कराया गया है। मरम्मत/पुनर्निर्माण हेतु कुल 62 मार्गों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्रम संख्या	मार्ग का नाम
1	बरेली मथुरा मार्ग
2	एटा गंजडुण्डवारा मार्ग
3	कासगंज अमांपुर मार्ग से अमरपुर घाट होते हुए एटा कासगंज मार्ग
4	कासगंज इस्माइलपुर मार्ग
5	बदरिया बरवारा सिरावली मार्ग
6	कासगंज अमांपुर मार्ग
7	एटा अमांपुर सहावर मार्ग
8	एल0जी0सी0 पटरी (फरूखाबाद ब्रान्च) मार्ग
9	सहावर मोहनपुर सिद्धपुरा मार्ग
10	गंजडुण्डवारा सुन्नगढी मार्ग
11	गंजडुण्डवारा कादरगंज गंगपुर मार्ग
12	ढोलना अथैया श्यामदेवता घाट मार्ग
13	ढोलना इखौना चिलकुनि कुईया मार्ग
14	काली नदी नगला नन्दे घाट सेतु का पहुँच मार्ग
15	काली नदी कानरखेड़ा घाट सेतु का पहुँच मार्ग
16	ढेला सराय से महमूदपुर वाया अभयपुर रामपुर
17	खुशहालपुर से नरौली मार्ग

18	एटा कासगंज मार्ग से रम्पीरिया नगला मार्ग
19	बरेली मथुरा मार्ग से शमशानघाट मार्ग
20	बिलराम से जखेरा महेशपुर
21	समसपुर डेंगरी मार्ग
22	नगला गुलरिया से नगला टिकुरिया मार्ग
23	पन्सौती सम्पर्क मार्ग
24	पटियाली नरदौली मार्ग से नादरमई मार्ग
25	पटियाली नरदौली मार्ग से नगला सिसईया मार्ग
26	ढोलना छिछौरा वाया नगला सूमरा मार्ग
27	कासगंज इस्माइलपुर से खैड़ीया मार्ग
28	कासगंज इस्माइलपुर से कुमरूआ मार्ग
29	बिलराम से मुबारिकपुर माफी मार्ग
30	बिलराम से रहमतपुर माफी मार्ग
31	नदरई डेरी से तिलसई कला वाया नगला मुण्डा मार्ग
32	तवालपुर से हरनाढेर मार्ग
33	महावर से तवालपुर वाया नगला चौखण्डा मार्ग
34	सिद्धपुरा धुमरी से गंगसारा मार्ग
35	धुमरी पटियाली मार्ग से नगला टीका से नगला सहजन मार्ग
36	एटा गंजडुण्डवारा मार्ग से बांसी मार्ग
37	एटा गंजडुण्डवारा मार्ग से मनकई मार्ग
38	एटा गंजडुण्डवारा मार्ग से हीरापुर मार्ग से साईस्ता मार्ग
39	सिद्धपुरा पटियाली मार्ग से पावलढेरा मार्ग
40	लोहारी खेड़ा मार्ग से गढी खेडई मार्ग
41	थाना दरियावगंज मार्ग से नीबलपुर होते हुए बल्लिया मार्ग
42	सहावर म्यासुर मार्ग से अलादीनपुर मार्ग
43	राजा का रामपुर से खैरपुर मार्ग
44	अशोकपुर रतनपुर सम्पर्क मार्ग
45	नगला हीरा से कुढा मार्ग
46	थाना दरियावगंज से बढौला मार्ग

47	पटियाली नरदौली मार्ग से रनैठी मार्ग
48	शाहपुर टहला सलेमपुर मार्ग
49	ढकपुरा भरगैन मार्ग
50	कासगंज चांडी मार्ग से बहेटा मार्ग
51	गंजडुण्डवारा कादरगंज मार्ग से सिकन्दरपुर वैश्य मार्ग
52	शहवाजपुर से भीकमपुर (नगला रते आबादी भाग)
53	इन्द्राजसनपुर मार्ग से हरौरा मार्ग
54	अलीगंज सोरों मार्ग से सादिकपुर मार्ग
55	राजा का रामपुर मार्ग से बिलांसबांस मार्ग
56	कासगंज चांडी मार्ग से कासिमपुर मिहारी मार्ग
57	धर्मपुर शहवाजपुर मार्ग से नागर कंचनपुर मार्ग
58	अलीगंज सोरों मार्ग से अडूपुरा मार्ग
59	नगला धनसिंहपुर से म्यासुर मार्ग
60	राजा का रामपुर से शाहपुर टहला मार्ग
61	जैथरा थाना दरियावगंज मार्ग से बिजौरा स्वर्गद्वारी मार्ग
62	थाना दरियावगंज मार्ग से सिहौरी मार्ग
63	थाना दरियावगंज मार्ग से नौगवां चहका मार्ग
64	कासगंज अमांपुर मार्ग से खुशकरी मार्ग
65	गंजडुण्डवारा कादरगंज मार्ग से समसपुर तराई मार्ग
66	कासगंज अमांपुर मार्ग से करसाना मार्ग
67	समसपुर करसाना मार्ग से गेन्दूपुरा मार्ग
68	अमांपुर सिद्धपुरा मार्ग से पिथनपुर मार्ग

## **Chapter-9**

### **Financial resources for implementation of DDMP**

जनपद कासगंज में जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण की स्थापना हेतु शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। जिसका उपयोग जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के व्ययों यथा मउमतहममबल व्वमतंजपवद ब्मदजमत ःम्बद्ध के सुचारु रूप से संचालन हेतु, प्राधिकरण के टेलीफोन, कन्ट्रोल रूम, स्टेशनरी एवं अन्य उपयोगार्थ सामग्रियों आदि के व्ययों के लिए उपलब्ध करायी जाती है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा दैवीय आपदाओं जैसे— अग्निकाण्ड, बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि, अतिवृष्टि, तूफान, भूकम्प, चक्रवात आदि से बचाव हेतु धनराशि प्रत्येक वर्ष आवंटित की जाती है। इस धनराशि को जिलास्तर के माध्यम से जिस तहसील में उपरोक्त आपदाओं से नुकसान/प्रभावित हुआ है, उस तहसील को धनराशि वितरित कर दी जाती है। जनहानि, पशुहानि, मकान का नुकसान, फसलों के क्षतिग्रस्त हेतु धनराशि प्रत्येक वर्ष आवंटित की जाती है। उक्त धनराशि का उपयोग निम्न मद में हुए नुकसान हेतु व्यय किया जाता है:— अहैतुक सहायता, अनुग्रह सहायता, गृह अनुदान में व्यय किया जाता है। इसके अतिरिक्त शीतलहर/ठण्ड से निराश्रित/असहाय/गरीब व्यक्तियों के बचाव हेतु शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष अलाव/कम्बलों के क्रय करने हेतु शासन द्वारा धनराशि आवंटित की जाती है। जिसका वितरण तीनों तहसीलों को कर दिया जाता है। इसके साथ ही जनपद कासगंज की नगर पालिका/नगर पंचायतों द्वारा नगर के मुख्य चौराहों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड आदि पर शीतलहर/ठण्ड से गरीब/असहाय व्यक्तियों के ठहरने/बचाव हेतु रेन बसेरा/अलाव की व्यवस्था की जाती है तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा कम्बलों आदि का वितरण भी किया जाता है।

## Chapter-10

### Procedure and methodology for monitoring evaluation, updation and maintenance of DDMP

—: जनपद कासगंज के स्टीयरिंग ग्रुप के अध्यक्ष /सचिव एवं सदस्य :—

क्र०सं०	नाम पदाधिकारी	पद
1	जिलाधिकारी, कासगंज	अध्यक्ष
2	पुलिस अधीक्षक, कासगंज	सदस्य
3	अपर जिलाधिकारी /जिला बाढ़ राहत अधिकारी, कासगंज	सचिव /सदस्य
4	मुख्य चिकित्साधिकारी, कासगंज	सदस्य
5	मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, कासगंज	सदस्य
6	उपजिलाधिकारी, कासगंज	सदस्य
7	क्षेत्राधिकारी, कासगंज	सदस्य
8	तहसीलदार, कासगंज	सदस्य
9	खण्ड विकास अधिकारी, कासगंज	सदस्य
10	जिला कृषि अधिकारी, कासगंज	सदस्य
11	जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज	सदस्य
12	अधिशाली अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कासगंज	सदस्य
13	अधिशाली अभियन्ता, सिंचाई विभाग, कासगंज	सदस्य
14	अधिशाली अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, कासगंज	सदस्य
15	अधिशाली अभियन्ता, जल निगम, कासगंज	सदस्य



## तहसील स्तर पर आपदा सहायता समिति

- 01— उप जिलाधिकारी ।
- 02— तहसीलदार ।
- 03— तहसील क्षेत्र के समस्त खण्ड विकास अधिकारी ।
- 04— चिकित्साधिकारी ।
- 05— तहसील क्षेत्र के समस्त विधायक ।
- 06— तहसील क्षेत्र के उन ग्रामों (जिनमें बाढ़/अतिवृष्टि से अधिक जलप्लावन की सम्भावना रहती है) के जनप्रतिनिधि ।
- 07— तहसील क्षेत्र के विद्युत के अधिशासी अभियन्ता ।
- 08— तहसील सिंचाई खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ।
- 09— तहसील क्षेत्र के सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता, जल विभाग ।
- 10— तहसील क्षेत्र के सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता, सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग ।
- 11— अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत ।
- 12— जिला कृषि अधिकारी अथवा उनके द्वारा मनोनीत अन्य अधिकारी ।

## मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी एवं जनपद के अन्य अधिकारियों के दूरभाष नम्बर

क्रमांक	अधिकारी/विभाग	एस0टी0डी0 कोड नम्बर	दूरभाष नम्बर		फैक्स नम्बर	मोबाइल
			कार्यालय	आवास		
1	2	3	4	5	6	7
1	मण्डलायुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़	0571	2741200	2742184	2742180	9454417493
2	अपर आयुक्त प्र0, अलीगढ़ मण्डल	0571	2742576	—	—	9554417744
3	अपर आयुक्त द्वि0, अलीगढ़ मण्डल	0571	2742575	—	—	9454465491
4	जिलाधिकारी कासगंज	05744	272000	247482	272101	9454417516
5	पुलिस अधीक्षक, कासगंज	05744	272080	247485	247487	9454400393
6	अग्निशमन अधिकारी	05744	—	—	—	9454418500
7	सहा0 जिला सूचना विभाग	05744	—	—	—	9412617252
8	मुख्य विकास अधिकारी, कासगंज	05744	272108	—	—	9454465520
9	अपर जिलाधिकारी (वि/रा), कासगंज	05744	272105	247495	—	9454417587
10	जिलाधिकारी, अलीगढ़	0571	2400202	2400798	2407555	9454417513
11	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अलीगढ़	0571	2401454	2703111	2703110	9454400247
12	उप सूचना निदेशक, अलीगढ़	0571	2742240	—	—	9453005371
13	जिलाधिकारी, एटा	05742	233303	233301	233860	9454417514
14	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा	05742	233319	231942	—	9454400265
15	जिला सूचना अधिकारी, एटा	05742	233343	—	—	9453005372
16	जिलाधिकारी, हाथरस	05722	227077	224090	277076	9454417515
17	पुलिस अधीक्षक, हाथरस	05722	232100	277100	—	9454400278
18	उप जिलाधिकारी, कासगंज	05744	244342	—	—	9454417802
19	उप जिलाधिकारी, सहावर	—	—	—	—	9454417803
20	उप जिलाधिकारी, पटियाली	—	—	—	—	9454417804
21	तहसीलदार, कासगंज	—	—	—	—	9454417805
22	तहसीलदार, सहावर	05744	277223	—	—	9454449499
23	तहसीलदार, पटियाली	—	—	—	—	9454449497
24	नायब तहसीलदार, कासगंज	—	—	—	—	9454449503
25	नायब तहसीलदार, सहावर	—	—	—	—	9454449489
26	नायब तहसीलदार, पटियाली	—	—	—	—	9454449505
27	अपर उप जिलाधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9454525160

28	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9456482382
29	उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9412282501
30	मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9412638084
31	जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज	05744	247710	—	—	9412341944
32	अधि० अभियन्ता जल निगम, कासगंज	—	—	—	—	9473942450
33	अधि० अभियन्ता नलकूप खण्ड, कासगंज	—	—	—	—	9838694041
34	सहा० अधि० अभि० नलकूप खण्ड, कासगंज	—	—	—	—	9454415454
35	अधि० अभियन्ता लघु सिंचाई, अलीगढ़	—	—	—	—	9412302525
36	अधि० अभियन्ता सिंचाई विभाग, कासगंज	—	—	—	—	9412011644
37	अधीक्षण अभियन्ता लोग निर्माण विभाग अलीगढ़ ब्रत्त	0571	2702365	—	—	—
38	अधि० अभि० लोक निर्माण विभाग, कासगंज	—	—	—	—	9412410500
39	अधि० अभि० आर०ई०एस०, कासगंज	—	—	—	—	9412197260
40	सहा० अभि० आर०ई०एस०, कासगंज	—	—	—	—	9412596340
41	अधी० अभि० विद्युत, एटा	—	—	—	—	9412748724
42	अधि० अभि० विद्युत विभाग, कासगंज	—	—	—	—	9412748705
43	अधि० अभियन्ता तृतीय नरौरा खण्ड कासगंज	—	—	—	—	9411865958
44	ए०एम०ए० जिला पंचायत, कासगंज	—	—	—	—	9411454751
45	भूमि संरक्षण अधि० कासगंज	—	—	—	—	9235629588
46	जिला वन अधिकारी, कासगंज	05744	244550	—	—	9411003595
47	जिला उद्यान अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9456480195
48	जिला कृषि अधिकारी, कासगंज	05744	247552	—	—	9235629718
49	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कासगंज	05744	247512	—	—	9453004071
50	जिला समाज कल्याण अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9412830709
51	जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9410084486
52	मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9454468632
53	स्टेशन अधीक्षक, कासगंज जंक्शन	05744	244239, 247330	—	—	—
54	डी०आई०ओ०, एनआईसी०, कासगंज	05744	247004	—	—	7668959737
55	ए० <sup>जी</sup> ०एम०, दूरसंचार, कासगंज	—	—	—	—	9412095121
56	ए०आर०टी०ओ०, प्रवर्तन, कासगंज	—	—	—	—	9412455555
57	श्रम प्रवर्तन अधिकारी, कासगंज	—	—	—	—	9719123845
58	खण्ड विकास अधिकारी, कासगंज	05744	247544	—	—	9454465524
59	खण्ड विकास अधिकारी, सोरों	05744	273623	—	—	9454465523

60	खण्ड विकास अधिकारी, अमांपुर	05744	279396	—	—	9454465525
61	खण्ड विकास अधिकारी, सहावर	05744	277014	—	—	9454465527
62	खण्ड विकास अधिकारी, गंजडुण्डवारा	05740	256368	—	—	9454565529
63	खण्ड विकास अधिकारी, पटियाली	05740	252218	—	—	9454465526
64	खण्ड विकास अधिकारी, सिद्धपुरा	05740	279396	—	—	9454465528
65	पुलिस कन्ट्रोल रूम, कासगंज	05744	247489	—	—	—
<b>66</b>	<b>आपदा नियन्त्रण कक्ष, कलेक्ट्रेट, कासगंज</b>	<b>05744</b>	<b>272000</b>	<b>—</b>	<b>—</b>	<b>—</b>

### जनपद स्तरीय सभी पुलिस अधिकारियों के पद नाम, तैनाती स्थल व मो०नं०

क्रमांक	अधिकारी के पद नाम	दूरभाष			मोबाइल नम्बर
		एस०टी०डी० कोड नम्बर	दूरभाष नम्बर	फैक्स नम्बर	
1	2	3	4	5	6
1	डी०आई०जी०, अलीगढ़	0571	2400404	2400408	9454400392
2	पुलिस अधीक्षक, कासगंज	05744	247486	247487	9454400393
3	अपर पुलिस अधीक्षक, कासगंज	05744	247486	—	9454401042
4	क्षेत्राधिकारी, कासगंज	05744	244677	—	9454401889
5	क्षेत्राधिकारी, सहावर	—	—	—	9454401889
6	क्षेत्राधिकारी, पटियाली	05740	255110	256010	9454401251
7	जेल अधीक्षक, एटा	—	—	—	9454418186
8	जि०क० होमगार्ड्स	—	—	—	9451288643
9	प्र० निरीक्षक, कासगंज	05744	244678	—	9454403244
10	प्र० निरीक्षक, सोरों	05744	273337	—	9454403261
11	प्र० निरीक्षक, पटियाली	05740	252033	—	9454403253
12	एस० ओ०, गंजडुण्डवारा	05740	255110	—	9454403239
13	एस० ओ०, अमांपुर	05744	279233	—	9454403235
14	एस० ओ०, सहावर	05744	277530	—	9454403257
15	एस० ओ०, ढोलना	05744	272820	—	9454403238
16	एस० ओ०, सिद्धपुरा	05744	254233	—	9454403260
17	एस० ओ०, सुन्नगढ़ी	—	—	—	9454403245
18	एस० ओ०, सि०वैश्य	—	—	—	9454403243

19	एस0 ओ0, राजा का रामपुर	—	—	—	9454403255
20	एस0 ओ0, मारहरा	—	—	—	9454403249
21	एस0 ओ0, मिरहची	—	—	—	9454403250
22	एस0 ओ0, कादरचौक	—	—	—	9454402941
23	एस0 ओ0, महिला थाना	—	—	—	9454404785
24	प्रतिसार निरीक्षक	—	—	—	9454404725
25	पुलिस कण्ट्रोल रूम	05744	247489	—	—
26	प्र0निरीक्षक एल0आई0यू0	—	—	—	9454404729
27	अग्निशमन अधिकारी, कासगंज	—	—	—	9454418500
28	प्र0 चौकी दरियावगंज	—	—	—	941091330
29	प्र0 चौकी आवास विकास	—	—	—	8650502888
30	यातायात पुलिस, कासगंज	—	—	—	9758903080
31	एस0 ओ0 उसैत	—	—	—	9454402950
32	एस0 ओ0 जैथरा	—	—	—	9454401250

# Chapter-11

## Coordination mechanism for Implementation of DDMP



# अग्निशामन विभाग,

जनपद:— कासगंज

वर्ष: 2017—18

**–: आपदा प्रबन्धन हेतु विभाग में उपलब्ध संसाधनों की सूची निम्नवत् है :-**

फायर सर्विस शाखा जनपद कासगंज में 02 अग्निशमन केन्द्र स्वीकृति है, जिसमें 1 (एक) फायर स्टेशन शहरी क्षेत्र कासगंज में है तथा 1 (एक) फायर स्टेशन ग्रामीण क्षेत्र तहसील पटियाली में स्वीकृति एवं क्रियाशील है।

जनपद कासगंज के स्वीकृति अग्निशमन केन्द्र कासगंज एवं पटियाली का स्टाफ एवं मशीन/उपकरणों का विवरण निम्नवत् है :-

**स्टाफ**

क्रम	पद व नाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1	मुख्य अग्नि शमन अधिकारी	01	01	—
2	अग्नि शमन अधिकारी	02	—	02
3	अग्नि शमन द्वितीय अधिकारी	02	01	01
4	लीडिंग फायर मैन	04	02	02
5	फायर सर्विस चालक	04	02	02
6	फायरमैन	32	27	05

**वाहन**

क्रम	पद व नाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1	मोटर फायर इंजन	04	02	02
2	फोम टेण्डर	01	—	01
3	जीव टोइंग व्हीकल	02	01	01
4	एम्बुलैन्स	01	—	01
5	पम्प	05	05	—
6	बुलैरो	01	—	01

संचार व्यवस्था :- अग्निशमन केन्द्र कासगंज पर संचार – व्यवस्था निम्नवत् है:-

क्रम	नम अधिकारी / पदनाम	फोन नं० आवास	फोन नं० कार्यालय	व्यक्तिगत मोबाइल नम्बर
1	श्री अरुण कुमार सिंह सी०एफ०ओ०	—	—	9999872222
2	श्री महेश चन्द्र एफ०एस०एस०ओ०	—	9454418500	9410676939
3	फायर स्टेशन पटियाली श्री पतरसलाल एल०एफ०एम०पी०	—	—	7037120858

नोट:-

1. फायर स्टेशन कासगंज पर कंट्रोल रूम में स्टेटिक वायर लैस सेट उपलब्ध है तथा इसके अतिरिक्त सी०यू०जी० मोबाइल नं०— **9454418501** तथा पी०एन०टी० नं०— **05744-244681, 101** भी उपलब्ध है। जिन पर सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सकता है।
2. फायर स्टेशन पटियाली पर सूचनाओं का आदान-प्रदान थाना कोतवाली पटियाली के माध्यम से होता है।
3. जोखिम से निपटने की पूर्व तैयारी का विवरण उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है।
4. विभागीय अधिकारियों के दूरभाष उपरोक्तानुसार है।



# उत्तर प्रदेश जल निगम



सम्भावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों में नये / रिबोर  
हैण्डपम्पों से सम्बन्धित कार्य योजना

वर्ष: 2017-18

**संभावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों में नये/रिबोर हैण्डपम्पों से सम्बन्धित कार्य योजना वर्ष 2017-18**

जनपद कासगंज पश्चिमी उ०प्र० का एक पिछड़ा जनपद है, जिसका सृजन वर्ष 2008 में हुआ है। यह जनपद गंगा नदी के किनारे बसा हुआ है। जिसके विकास खण्ड सोरों, सहावर गजंडुण्डवारा बाढ़ से प्रभावित होते रहते हैं। विगत वर्ष गंगा नदी में आई बाढ़ के कारण इन विकास खण्डों के अधिकतर ग्राम बाढ़ से प्रभावित हुये थे, जिनमें से कुछ ग्रामों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया एवं अनेक लोगों को अस्थायी शिविरों में रखा गया है। बाढ़ के कारण अनेकों पेयजल श्रोत भी प्रभावित हुये तथा कुछ पूर्ण रूप से नष्ट हो गये। जनपद कासगंज के अन्तर्गत 07 विकास खण्ड हैं।

इन्ही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये बाढ़ राहत के अन्तर्गत यह कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना में निम्न प्रकार से पेयजल सुविधा हेतु प्राविधान किया गया है:-

(अ) बाढ़ से पूर्ण रूप से नष्ट होने वाले पेयजल श्रोतों के स्थान पर ग्रामीण क्षेत्रों या विस्थापित स्थलों पर 100 नग नये इण्डिया मार्क ।। हैण्डपम्पों के अधिष्ठान का कार्य।

(ब) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अनुमान के आधार पर 80 नग स्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों के रिबोर का कार्य।

(स) बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को अस्थायी शिविरों में बसेरा करने हेतु त्वरित गति से पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से 160 नग सैलो हैण्डपम्पों की स्थापना का कार्य।

(द) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों की मरम्मत का कार्य।

(य) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रामक रोगों से निजात पाने हेतु पेयजल श्रोतों का क्लोरीनेशन का कार्य।

इस प्रकार जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सम्भावित सूखा से निपटने हेतु पेयजल सुविधा हेतु बाढ़ कन्टीजेन्ट प्लान वर्ष 2018-18 अनु० लागत रू. 147.00 लाख का अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल हेतु बाढ़ राहत का कन्टीजेन्ट प्लान वर्ष 2017-18

फार्म – जे

क्रम सं०	विवरण	लागत	सेंटेज	कुल लागत (रु० लाख में)
1	2	3	4	5
1	ग्रामीण क्षेत्रों में सम्भावित बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत कार्यक्रम के अन्तर्गत पेयजल सुविधा हेतु प्रस्तावित कार्य	147.00	—	147.00

नये हैण्डपम्पों की लागत सार

क्रम सं०	विवरण	मात्रा	इकाई	दर (रु. में)	लागत (रु. लाख में)
1	2	3	4	5	6
1	जनपद कासगंज के बाढ़ प्रभावित ग्रामों / मजरे जो बाढ़ से पूरी तरह से नष्ट होने की सम्भावना हो सकती है, उन ग्रामों के निवासियों को दूसरे स्थान पर स्थायी रूप से पुर्नस्थापना हेतु नये हैण्डपम्पों के अधिष्ठान का कार्य।	100	नग	59300.00	59.30

### स्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों की पुर्नस्थापना हेतु लागत सार

क्रम सं०	विवरण	मात्रा	इकाई	दर (रु. में)	लागत (रु. लाख में)
1	2	3	4	5	6
1	बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ के कारण स्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों की रिबोरिंग का कार्य।	80	नग	53100.00	42.48

### सैलों टाइप के हैण्डपम्पों की लागत सार

क्रम सं०	विवरण	मात्रा	इकाई	दर (रु. में)	लागत (रु. लाख में)
1	2	3	4	5	6
1	बाढ़ के कारण अस्थायी शिविरों में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को त्वरित गति से पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सैलो टाइप के हैण्डपम्पों की स्थापना।	160	नग	23265.00	37.224

### बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हैण्डपम्पों की मरम्मत एवं क्लोरीनेशन का लागत सार

क्रम सं०	विवरण	मात्रा	इकाई	दर (रु. में)	लागत (रु. लाख में)
1	2	3	4	5	6
1	बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी रूप से होने वाले हैण्डपम्पों की मरम्मत का कार्य (अनुमान के आधार पर)	200	नग	3000.00	6.00
2	बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रामक रोगों से बचने के लिए हैण्डपम्पों में क्लोरीनेशन का कार्य	500	नग	400.00	2.00

**अधि० अभि०, निर्माण खण्ड, उ०प्र० जल निगम, कासगंज के द्वारा  
सम्भावित बाढ़ से प्रभावित ग्रामों का नाम**

क्रमांक	विकास खण्ड का नाम	ग्राम का नाम
1	2	3
1	सोरों	भसावली
2	सोरों	ढेला सराय
3	सेरों	कादरवाडी
4	सोरों	पीलो सराय
5	सोरों	पाठकपुर
6	सोरों	पहाडपुर कटरा
7	सोरों	बघेला पुख्ता
8	सोरों	मल्लाह नगला
9	सोरों	मुजफ्फर नगर
10	सोरों	मानिकपुर पुख्ता
11	सोरों	चैदवा पुख्ता
12	गंजडुंडवारा	गठौरा
13	गंजडुंडवारा	कादरगंज खाम
14	गंजडुंडवारा	न्यौली फतुहाबाद
15	गंजडुंडवारा	हिम्मतनगर बझेरा
16	गंजडुंडवारा	शहबाजपुर पुख्ता
17	गंजडुंडवारा	गजौरा
18	गंजडुंडवारा	बरौना
19	गंजडुंडवारा	बगवास
20	गंजडुंडवारा	नरदोली पुख्ता
21	गंजडुंडवारा	राजेपुर कुर्रा

## कार्यालय क्षेत्रीय प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश परिवहन निगम, कासगंज



उत्तर प्रदेश परिवहन राज्य सड़क परिवहन निगम का मुख्य व्यवसाय बसों का संचालन है। कासगंज में एक ही डिपो है, जिसमें बसों स्थिति निम्नवत् है:—

### कासगंज डिपो

सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक का नाम	लोकेश कुमार राजपूत
मोबाइल नं०	8004912968
डिपो में निगम बसों की संख्या	63

कासगंज डिपो में कुल 63 निगम बसें हैं। दैवीय आपदा की स्थिति में निगम 10 बसें उपलब्ध कराने हेतु सदैव तत्पर रहेगा।



**खाद्य एवं रसद विभाग,  
जनपद—कासगंज  
वर्ष— 2017—18**

## खाद्य एवं रसद विभाग, जनपद—कासगंज

आपदा को दृष्टिगत आपूर्ति विभाग से सम्बन्धित जनपद कासगंज में निम्न बिन्दुओं पर कार्य योजना तैयार कर ली गयी है। बिन्दुवार विवरण निम्नवत् है:—

### बिन्दु संख्या—01

1. नोडल अधिकारी :- सत्यवीर सिंह  
जिला पूर्ति अधिकारी,  
मोबाइल नं०— 7839564614
2. सहायक नोडल अधिकारी :- श्री जिया अहमद करीम  
जिला खाद्य विपणन अधिकारी,  
मोबाइल नं०— 9411878774

### बिन्दु संख्या—02

#### कन्ट्रोल रूम

जनपद स्तर पर जिला पूर्ति कार्यालय में विभागीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है तथा निम्न कर्मचारी कन्ट्रोल रूम पर उपलब्ध रहेंगे:—

क्र०सं०	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पदनाम	मोबाइल नम्बर	समय सारिणी
1	श्री हाकिम सिंह	क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी	9411418519	प्रातः 8:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक
2	श्री अनिल कुमार	पूर्ति निरीक्षक	9761070277	
3	श्री सुरेन्द्र कुमार	विपणन निरीक्षक, कासगंज	9412049698	सायं 4:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक
4	श्री सुभाष चन्द्र	विपणन निरीक्षक, सोरों	9458528654	
5	श्री नरेन्द्र सिंह	विपणन निरीक्षक, पटियाली/सिद्धपुरा	9411421776	रात्रि 12:00 बजे से प्रातः 8:00 बजे तक
6	श्री सहदेव कश्यप	विपणन निरीक्षक, गंजडुण्डवारा	9627216559	



### बिन्दु संख्या-03

#### संचार व्यवस्था

प्रत्येक उचित दर विक्रेता के मोबाइल नम्बर, आपूर्ति शाखा व हाट शाखा के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के मोबाइल नम्बर, पेट्रोल पम्प एवं आवश्यक वस्तुओं के स्टोकिस्टो के दूरभाष नम्बर व्यापारिक प्रतिष्ठानों के स्थल व पते व क्षमता का संकलन कर दिया गया है।

### बिन्दु संख्या-04

#### खाद्यान्न/चीनी की उपलब्धता

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत पात्र गृहस्थी राशनकार्डों एवं अन्त्योदय राशनकार्डों को लक्ष्य के अनुसार निर्धारित मात्रा में रोस्टर के अनुसार निर्धारित तिथि पर वितरण कराया जा रहा है।

### बिन्दु संख्या-05

#### पेट्रोल/डीजल एवं रसोई गैस की उपलब्धता

बाढ़ के दृष्टिगत जनपद के समस्त पेट्रोल पम्पो पर दैवीय आपदा हेतु 2000-2000 लीटर डीजल एवं 1000-1000 लीटर पेट्रोल आरक्षित करा दिया गया है तथा ऑयल कम्पनी के उच्चाधिकारियों से सामंजस्य स्थापित करते हुए जनपद में वरीयता के आधार पर डीजल/मिट्टी तेल उपलब्ध कराया जायेगा। प्रत्येक एल0पी0जी0 गैस एजेन्सी पर 25-25 घरेलू सिलेण्डर आरक्षित करा दिये गये हैं।

### बिन्दु संख्या-06

#### मिट्टी तेल की उपलब्धता

जनपद के समस्त थोक मिट्टी तेल विक्रेताओं के यहां 1000-1000 लीटर मिट्टी तेल आरक्षित करा दिया गया है।

### बिन्दु संख्या-07

#### आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता

आटा, चावल, मोमवत्ती, चना, माचिस, आलू, प्याज, तेल, ब्रेड इत्यादि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हेतु उद्योग व्यापार मण्डल, कासगंज के पदाधिकारियों से सामंजस्य स्थापित किया गया है तथा उनके द्वारा आश्वासन दिया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर पूर्ण सहयोग व आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा दी जायेगी। प्रत्येक उचित दर विक्रेताओं को नमक, माचिस, मोमवत्ती व मिट्टी तेल आरक्षित रखने हेतु निर्देशित कर दिया गया है ।

### बिन्दु संख्या-08

#### अस्थायी बिक्री केन्द्र व सचल वाहन

स्वयं सेवी, व्यापार, समाज सेवी संगठनों एवं उचितदर विक्रेताओं के माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर अस्थाई बिक्री केन्द्र/सचल वाहन द्वारा उचितदर पर वितरण की व्यवस्था करा दी जायेगी।

### बिन्दु संख्या-09

#### अवकाश पर प्रतिबन्ध

विभाग के अधिकारी/कर्मचारी को अवकाश व मुख्यालय छोड़ने से पूर्व जिलाधिकारी महोदय से पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस प्रतिबन्ध की अवधि आकस्मिक परिस्थितियाँ उत्पन्न होने पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्धारित की जायेगी।



# मुख्य चिकित्साधिकारी

आपदा सम्बन्धी कार्य योजना

जनपद—कासगंज

वर्ष: 2017—18

—: मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन आपदा प्रबन्धन हेतु निम्न प्रकार समूह का गठन किया गया है :—

डा० एस०पी०सिंह  
नोडल अधिकारी,  
मो०नं०—9412631082

डा० सन्दीप कुमार  
ऐपीडेमियोलॉजिस्ट  
मो०नं०—9450326426

डा० प्रेम सिंह  
उप चिकित्साधिकारी,  
मो०नं०—9897005550

डा० रंगजी द्विवेदी  
मुख्य चिकित्सा अधिकारी,  
मो०नं०—8005192672

जनपद स्तर पर नियंत्रण कक्ष— 05744—247062  
नियंत्रण कक्ष प्रभारी— विसुन्दर शर्मा, विमल कुमार

—: जनपद कासगंज में कार्यरत प्रभारी चिकित्साधिकारियों की सूची :—

क्रमांक	प्रभारी अधिकारी का नाम	तैनाथी स्थान	मोबाइल नम्बर
1	डा० पी०एन० गुप्ता, डा० कृष्ण अवतार	जनपद स्तरीय	9458684058 9759479578
2	डा० आकश सिंह	सोरों	7409387788
3	डा० पी०के० श्रीवास्तव	सहावर	9719040047
4	डा० अजेन्द्र सिंह मलिक	गंजडुण्डवारा	9456407756
5	डा० कुलदीप सिंह	पटियाली	9415087257
6	डा० वी०के० राजपूत	कासगंज	9837253582
7	डा० आशीष कुमार	अमांपुर	9454349166
8	डा० अंजुश सिंह	सिद्धपुरा	9457261769

## संक्रमण रोग की रोकथाम हेतु ब्लॉक प्रभारी

1	डा० अविनाश कुमार	उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी	9412282051
2	डा० वी०के० राजपूत	जिला प्रतिरक्षण अधिकारी	9837253582
3	डा० पी०एन० गुप्ता	जिला क्षय रोग अधिकारी	9458684058
4	श्री राजकुमार सारस्वत	जिला मलेरिया अधिकारी	9045324870
5	डा० संदीप कुमार	ऐपीडेमियोलॉजिस्ट	9450326426
6	श्री आलम सिंह	वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक	9412814725
7	श्री प्रमोद मिश्रा	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	8410141020
8	श्री विनोद उपाध्याय	एन०एम०ए०	9410628068
9	श्री दिग्विजय सिंह	वार्डवॉय	9058824853

## ब्लॉक सहावर

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा० पी०के० श्रीवास्तव, चिकित्सा अधीक्षक	9719040047
नियंत्रण कक्ष	राजेश कुमार, अरुण यादव	05744-2177181

1	डा० सुरेश चन्द्र	चिकित्सा अधिकारी	9627465817
2	श्री सुनील कुमार	फार्मासिस्ट	9410488239
3	श्री सुरेश चन्द्र	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	9759096956
4	श्री विजेन्द्र गुप्ता	ऑप्टोमैट्रिस्ट	9457260776
5	श्री विनय कुमार	एल०टी०	9616918162
6	श्री अरविन्द कुमार	वार्डवॉय	8273978953

## ब्लॉक पटियाली

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा० कुलदीप सिंह, चिकित्सा अधीक्षक	9415087257
नियंत्रण कक्ष	हेत सिंह, वृजेश यादव	05740-252495

1	श्री पी०के० परिहार	फार्मासिस्ट	9456252033
2	श्री हामिद हुसैन	एचएस	8273298167
3	श्री रामप्रसाद	एचएस	9412617467
4	श्री पन्ना लाल	वार्डवॉय	9458275840
5	श्री राकेश कुमार	वार्डवॉय	9412516033

## ब्लॉक सोरों

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा० आकाश सिंह, चिकित्सा अधीक्षक	7409387788
नियंत्रण कक्ष	मनवीर, अखण्ड प्रताप	05744-213481

1	डा० देवेन्द्र शर्मा	चिकित्सा अधिकारी	7055492801
2	श्री ओ०पी० पश्नावत	एन०एम०ए०	9410879675
3	श्री नवीन माहेश्वरी	आप्टोमैट्रिस्ट	9837367341
4	श्री विनोद यादव	फार्मासिस्ट	9412862082
5	श्री उमाशंकर पाराशर	प्रयोगशाला सहायक	9997435101
6	श्री टी०पी० सिंह	स्वा० पर्यवेक्षक	9450836105

## ब्लॉक गंजडुण्डवारा

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा० अजेन्द्र सिंह मलिक, चिकित्सा अधीक्षक	9456407756
नियंत्रण कक्ष	मोहम्मद मियाँ, मोहम्मद असलम	05740-255077

1	डा० गौरव	चिकित्सा अधिकारी	9711217270
2	श्रीमती सविस्ता वेगम	फार्मासिस्ट	9457163686
3	श्री राजकुमार	एन०एम०एस०	8449592813
4	मौ० असलम	एल०ए०	8084022385
5	श्री जानकी प्रसाद	वार्डवॉय	9410439513

## ब्लॉक कासगंज

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा० वी०के० राजपूत, चिकित्सा अधीक्षक	9837253582
नियंत्रण कक्ष	सोवरन, सुनील कुमार	05744-247062

1	डा० विकास भारती	चिकित्सा अधिकारी	9917455996
2	डा० अनुपम सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9761224009
3	श्री सत्यपाल सिंह	फार्मासिस्ट	9759727710
4	श्री बाबूलाल	एन०एम०ए०	9268118830
5	श्री उमाशंकर	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	9897719512
6	श्री अशोक कुमार	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	9720053884

## ब्लॉक सिद्धपुरा

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा0 अंजुश सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी	9457261769
नियंत्रण कक्ष	मनव शर्मा, संजय सक्सैना, अजय कुमार	05740-254260

1	डा0 मुकेश यादव	चिकित्सा अधिकारी	97591575550
2	श्री तुरषनपाल	फर्मासिस्ट	9411236166
3	श्री राजवीर सिंह	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	7248842249
4	श्री महाराज सिंह	आप्ट्रोमैट्रिस्ट	9058026802
5	श्री संजय सक्सैना	वार्डवॉय	9568347363

## ब्लॉक अमांपुर

ब्लॉक प्रभारी का नाम	डा0 आशीष कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी	9454349166
नियंत्रण कक्ष	संतोष, वागेश्वर, हरीशंकर	05744-279003

1	डा0 मनोज	चिकित्सा अधिकारी	9751458384
2	डा0 गौरव सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9675182105
3	श्री दिलीप गुप्ता	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक	9456005894
4	श्री ललित मोहन	फार्मासिस्ट	8423231100
5	श्री धर्मेन्द्र कुमार	एल0टी0	8006577529



जनपद में कार्यरत इन विकास खण्डों के अन्तर्गत सामु०/प्रा० स्वा० केन्द्र/उपकेन्द्रों पर तैनात अधिकारियों/ कर्मचारियों को ग्रामों में बीमारियों की रोकथाम हेतु तत्काल राहत पहुँचाने एवं जनपद मुख्यालय पर यथाशीघ्र सूचना देने हेतु निर्देशित किया जा चुका है। इन केन्द्रों पर आवश्यक जीवन रक्षक दवायें एवं क्लोरीन गोलियाँ तथा ब्लिचिंग पाउडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

# Chapter-12

## Standard operation procedure and checklist

### ● वज्रपात से बचाव कार्य:—

- आकाशीय बिजली चमकने पर सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बन्द रखे जाने की चेतावनी जारी की जाती है।
- ऊँची बनी इमारतों में बज्रपातरोधी यन्त्र लगाए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।
- आकाशीय बिजली की सम्भावना होने पर तत्काल विद्युत आपूर्ति बन्द किए जाने के निर्देश दिए जाते हैं।
- वर्षा/बिजली से बचाव हेतु व्यक्तियों, बच्चों, पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।

### ● बाढ़ से बचाव कार्य:—

- बाढ़ आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।
- जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को बाढ़ से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।
- बाढ़ आने से पूर्व क्षतिग्रस्त बाँधों की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया जाता है।
- बाढ़ग्रस्त ग्रामों को पहले से ही खाली कराकर, ग्रामवासियों, पशुओं को सुरक्षित स्थानों में पहुँचा दिया जाता है। तथा उनके रहने, खाने-पीने, दवायें आदि की उचित व्यवस्था कर दी जाती है।
- बाढ़ आने से पूर्व बाढ़ग्रस्त ग्रामों में एक मॉकड्रिल कराकर सभी को बाढ़ से निपटने हेतु सचेत कर दिया जाता है।
- नरौरा बैराज से पानी छोड़े जाने पर बाढ़ की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।

- सूखा से पूर्व बचाव कार्य—

- सूखा आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।
- जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को सूखा से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक सूखा नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।
- नहरों में टैलों तक पानी पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।
- सभी ट्यूववेल चालू हालत में रखे जाने की व्यवस्था की जाती है।

- भूकम्प से पूर्व बचाव कार्य—

- नवनिर्मित सभी भवनों को भूकम्परोधी बनाए जाने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।
- भूकम्प की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।
- पुराने जीर्ण-झीर्ण भवनों को खाली कराकर भवनों को ध्वस्त किए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।
- भूकम्प आने की स्थिति में व्यक्तियों, बुजुर्गों, बच्चों आदि को सुरक्षित खुले मैदानों में पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।



## **List and Direction etc**

Chapter 1	Introduction	01-03
Chapter 2	Hazard Vulnerability, Capacity and Risk Assessment	04-05
Chapter 3	Institutional arrangements for DM	06-10
Chapter 4	Prevention and mitigation measures.	11-22
Chapter 5	Preparedness measures.	23-25
Chapter 6	Capacity Building and Training measures.	26-27
Chapter 8	Reconstruction, Rehabilitation and recovery measures	28-30
Chapter 9	Financial resources for implementation of DDMP	31
Chapter 10	Procedure and methodology for monitoring evaluation, updation and maintenance of DDMP	32-37
Chapter 11	Coordination mechanism for Implementation of DDMP	38-57
Chapter 12	Standard operation procedure and checklist	58-59
	Map of District Kasganj	60

# जिला आपदा प्रबन्धन योजना

(D.D.M.P.)

जनपद: कासगंज

वर्ष: 2017-18

अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०),  
सदस्य, जि०आ०प्र० प्राधिकरण,  
जनपद-कासगंज

जिलाधिकारी, कासगंज /  
अध्यक्ष, जि०आ०प्र० प्राधिकरण,  
जनपद-कासगंज